

श्रीधरक्रमचरात्रप्रा॥६

क

1

श्रीगणेशायनमः। नीवदक्षजालीवीरचारोण लेख  
 कर्मरजनीः चतुर प्रहरी। सुयुद्धयोजालीयावरी।  
 कायजापुर्ववलि। १। लेकामरेनापात्रापाही।  
 काकीकेआदेरावपाप्रत्येही। पुजाकरानी। काही  
 मागतसेवर। २। कोणजेगतीयां संकत्माचाते  
 तीचेतीसचीपुजे। ३। जेजावरणजयाचे। लेसीयासी  
 फळप्राही। ३। लेगुटीनीसकाळी। श्रानकरानीसेव  
 की। आलीकाकीकेआदेवकी। लेवीक्रमेदेखीली। ४।  
 देरवेनीतीयेसी। आपनीघालाकाकीकेआपटी  
 सी। लेवलेआलीदेउळसी। भीतरीप्रवेशकेला। ५।

पहीलीपुजापत्राधुपदीपा मनोभावेनेवे ह्यसमपी ॥  
 दंडचलव्यालुनीकलीगलववीक्रमकायबोले ॥ ६ ॥  
 ७ ॥ मणेमागमागवोजालेप्रसन्न ॥ जेरिडाआसेधुबसे  
 मन ॥ बोलहोमुखवचन ॥ काहीसवरायोनधरी ॥ ७ ॥  
 १ ॥ हेसेहेकोनीआद्रुवचन ॥ मणेमातेमजरिलुके ॥ १ ॥  
 देणे ॥ जगुनीरिंद्रिभुवनीनृत्यकरणे ॥ मागुलीयेथे  
 तुजजवकी ॥ ८ ॥ देवतामणेसत्यपावसीचीता  
 नकमावीमानसी ॥ रिंद्रिभुवनीनृत्यकरीसी ॥ मा  
 गुलीयेथेसील ॥ ९ ॥ यासीयेकआसेवनी ॥ केले  
 पाहीजेदावधर्म ॥ जरीआचरतीकमी ॥ लनीप्राप्ति  
 रिंद्रिभुवनहोईल ॥ १० ॥ येसामणेमासेते ॥ जेजेसां  
 गरीगुस्याकनवते ॥ तेकरीनमनोये ॥ सर्वभावे  
 करानी ॥ ११ ॥ जोजोआसधर्मरत ॥ तोआवधा  
 करीनचीदीता ॥ तोमीकरीनसत्यहेवचनभासे ॥ १२ ॥  
 देवतामणेऐककासने ॥ जेरिव्यआसेलदेवणे ॥  
 तेआवधेब्राह्मणासदानकरणे ॥ आणीगोधन  
 समस्त ॥ १३ ॥ हेसाधर्मकरावा ॥ उदरिंकसोमवार  
 बरवा ॥ सुर्यउदयापुवीकरावा ॥ तोनेमऐकप ॥ १४ ॥  
 प्रभातेगुरोनीयेथे ॥ सांगतेछेगुनीनापीकाले ॥  
 सीरमुडोनीयारनाला ॥ करवीसच्यील ॥ १५ ॥

3

१२

आंगीकरी भस्मधारण ॥ होउनी या शुद्धनम ॥  
 पद्मासनी बैसोन ॥ बक ध्यान धरावे ॥ ७६ ॥ ज  
 वलीन सो द्यावे कवण ॥ ॥ ही वस जाली या प्रथम  
 प्रहर प्रमाण ॥ ये रिल दयानांद वीमाना ॥ तुजपा  
 सी ये रिल ॥ ७७ ॥ वीमाना नी बैसोनी करी ॥ जावो ॥ १२ ॥  
 नी इंद्रं भुवनी नृत्य करी ॥ ऐसी बदली घागेश्वरी ॥  
 परिये सी देव लेची ॥ ७८ ॥ हो ऐ कोनी वचना ॥  
 काय करी गुरु प्रवेदुना ॥ ज्ये वरं उर फोडुना ॥  
 वारी ब्राह्मणारी ॥ ७९ ॥ आ वधे इज्य वारी लो ॥  
 गोदान अश्वदान के लो ॥ वस्त्रां भरणे होली भरले ॥

वीक्रम

७१

ते ही देती जाली ॥ ८० ॥ दुःकमे संगी ल ले ये के  
 जावे ॥ जे रिये न कप कयो ॥ र्णिभा नी ले जो वी ॥  
 ले ऐ का श्रोते न हो ॥ ८१ ॥ मी जारि न र्द्रं भुवन ॥  
 नृत्ये संलो धवीन सह रत्रनयना ॥ लो दे रिल र ले  
 भरण ॥ ८२ ॥ आ पी वस्त्रे दी च्यांग ॥ ८३ ॥ जरी वारी न  
 ये क गुणा ॥ लरी दे रिल रात सह रत्र गुणा ॥ ऐ सी  
 क लो नी वासना ॥ वारी ली जाली ॥ ८४ ॥ वारी  
 ला आ वधे सर ले ॥ आ ला का ही ना ही उर ले ॥  
 मग प्रभाले काय के लो ॥ लो परी साये क्रपा करानी ॥ ८५ ॥

उरीली आसय उदया पुवी। दासी पा टुनी न पी  
 क बो ला वी। उक्ता स न माये जी वी। लेखी पा वली  
 दे उका ॥ २५ ॥ ने से ली आ से शुच व रत्रा। सरो व  
 ही आ ली सु रनात ॥ ना पी का सी आ से क्षण ता ॥  
 ॥ २६ ॥ सी र मुं डी र म्भरा ॥ २६ ॥ धो क टी लु न का वी सु ॥ २७ ॥  
 रा ॥ सी र मुं डी १२२ भरा ॥ इ व्य दे उ नी या धरा ॥  
 जा य आ पु ली या ॥ २७ ॥ हे को प्पु जे न्हा ये श्रुत ॥  
 म नी आ ले न्हा वे गु प ॥ हा सी खि व की फे डु नी  
 दे व रत्रो ॥ तु ये थ ये सां य वा की त र्था ॥ पु न र्पी

कै ले र नान ॥ आं  
 नी प न्ना सन ॥ व क  
 आ ला ये र ली वी म ॥ न ॥ पा हे व र ता क राना  
 ल व क मी ली मा ध्पान ॥ र्मि न ये लान हे र वे ॥ ३० ॥  
 ह्मणे का प ह्म ला ग ला उ री र ॥ की दे व ला ११५ न नी  
 प ड ले आं ल र ॥ ह्मण उ नी धा ली न म रं का र ॥ फा  
 वी के री प ३१ ॥ वे शार व लु ध च तो द र ॥ उ स्व  
 प ड ले व हु व र ॥ सी र मुं डी ले ना ही ल के र ॥ लि ने

माथा उरानी गुरे ॥ ३२ ॥ समोर बैसली आसे  
 देवदारा ॥ उरुणे लापलीया पाथरा ॥ लेजे आनी  
 ॥ ३३ ॥ दीनक ॥ ३४ ॥ कासना जवळ देवनी पाहे ॥  
 उपडी लेपक्षी मोहोगा ॥  
 मग काय बोलला ॥  
 कुयल्लु ॥ आह  
 द्या ॥ मया मुंडी  
 केला पुरा रीती ॥  
 शुभे वीरहीत ॥ आ  
 लोखे कोट लेंकी लेनाही ॥ कोट नेंध उल  
 देही ॥ रावा म्हणे कापूरी वीज्यारी लेनाही ॥ का  
 श्रीमान्नी पडी लीसी ॥ ३९ ॥ आभी मानके ला  
 रावणे ॥ नआरके बहुलाचे सीक वण ॥ सेव  
 गला मरुन ॥ पुत्रकळत्रा सहीता ॥ ३८ ॥ लेसाची  
 दुये धिन आभी मान्नी ॥ ही तसांगला नधरी मनी ॥



Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.  
 Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

6) स्त्रीकीनेलासरोनी॥ राज्यपांडवीधेतले॥ उधाये  
 कार्येकेधनुवेकारणे॥ आभीकासधरीलासहस्रा  
 11५॥ उर्जिने॥ लोवदीलाभृगुनंदने॥ क्षणाभाजीपरीये  
 सा॥ ४०॥ लुवाधरीलाआभीमानाद्याछंद॥ केव  
 उारचीकाप्रबंध॥ लोखुसा॥ लुजजाहालाप्रतीबंध  
 ध॥ दोराकोहासीटेवीसीम४१॥ जेउदीकाजा  
 म॥ नंधरीती॥ लोयासी  
 येरहाप्रती॥ नदरव  
 ज॥ लासुयरीसी  
 नकानी॥ नगोरी

श्रीविक्रमचरित्रप्रग ६॥  
 6) ऐरेवतीउछंद॥ लोवककेलेसर्ग॥ ८५॥ ७१रे  
 बहुलकेले७१॥ लोव्या॥ कोहायेनाहीसमाधा  
 न॥ सीधमुनीजन॥ लेहीश्रमलातीग ८३॥ रा  
 याचामानश्रेष्ठ॥ सोमदतनावेभाट॥ लोसक  
 लामधेवरीष्ट॥ प्रीतीपात्रपै॥ ८४॥ लोवशशा  
 मधेयेकदीवसी॥ रायासीमंगोयेवोळगेसी॥  
 लोवशशासनग्रामसी॥ येकवेकाधेगुनीजाये॥  
 ८५॥ लोवकुरयेकेदीवसी॥ जाल॥ व्रत्तावक

रानी उभाराहीला ॥ १७ ॥ टीस पुस ताजा ला ॥ हा  
कवण क्षणेनी ॥ १८ ॥ लोक्षणे सोम हंत ॥ वरशा  
सनयेकदाचीनेला ॥ सकळी मधेमान्यबहुला ॥ १९ ॥  
चाहलाआसे ॥ २० ॥ १७ ॥ टीस क्षणेकोणरोजनी  
लीग यासी द्यापिनीत्यक्रुलीग घरची पाहुनी  
परीमीली ॥ त्याप्रमाणेदेलावे ॥ २१ ॥ ह्येसखो  
लऐकीला ॥ सोमहंतासीकोपआला ॥ ह्येरे  
तुजश्रमपडला ॥ कोपहंसा नबोकरवसीग ॥ २२ ॥  
पुरेवीक्रमनकेसी ॥ कपट बुध्दिराज्यकरीसी ॥  
त्याचेकळभोगेसीग ॥ धोडीयाचदीवसा ॥ २३ ॥  
वीक्रमजरीआगता ॥ जरीमजदीउपादेला ॥ व  
स्त्रेजंककारे गैवरवीला ॥ तेनमानदेउनीग ॥ २४ ॥  
ह्येरेसोमहंताचेबोल्पे ॥ लेकुबजकाचेकुरी  
क्षीनभीन ॥ क्षणेयासीद्याकारना राज ॥ नगरा  
बाहेरपै ॥ २५ ॥ जेथेआसेवीक्रमादीत्य ॥ तेथे  
तुजायरे धांडोनीला ॥ तुसापुरवीकरेभनोरथा ॥  
वसंहासनदेउनीया ॥ २६ ॥ एकेकपटवेवी  
रिधरीला ॥ तोसहस्त्रभगी रींद्रजाला ॥

लोकी लीका वरी लपा ला। मग तोप वी त्रके  
 ला देची ॥ ६४ ॥ कपट मागी लं ला वसा कु री  
 वी लस करी ॥ घी छुने माया रूप के ला स करी ॥ ६५ ॥  
 ८॥ ए पापं स्मारा सुरा चौप ॥ ६६ ॥ हे से कपट जे कभी  
 ती ॥ लया सी टाचने हो क्षी ली ॥ र वरं चा दी पंच  
 ती ॥ पुकी जा सही ला ॥ ६७ ॥ माहा मा सापरा क्रम ॥  
 आणी नरा जा वी क्रम ॥ जरी न आणी लरी श्रम ॥  
 जून नी स जाण पा ॥ ६८ ॥ हे से मज को नी नी घाला

८९ ॥ हे से मज को नी नी घाला  
 हे से मज को नी नी घाला ॥ ६९ ॥ ये स्वाहा प्रयत्न ॥ ७० ॥  
 लुक सला ज स सा वरु र ॥ हे हे आ ती क्षीण  
 दी सला ॥ मा सा हो से स उ दी ला ॥ जे लु से काय सी  
 छी प वे ला ॥ ७१ ॥ लो हणे सो म हं ला सी ॥ लु को  
 ग कया सी हीं उ सी ॥ ले सांग मज पा सी ॥ क्रम  
 करनी या ॥ ७२ ॥ ले जे स वी रत्तर सां गी ल ले ॥ मा  
 स न्या य सो महं ल क्षणी ल ले ॥ वी क्रमं चे उ प का  
 र्य क थी ले ॥ लया सी भी पा हा ल आ से ॥ ७३ ॥



वी क्रमाच्चा दुसरे शोध्याजे कीसी पटणे हे रा केसे ॥  
 १०१ ॥ तैसे मी तप करीतसे ॥ पद्मीणी श्री कारणे ॥ ८१ ॥  
 नगर लरी चंद्र गीरी ॥ राजा चंद्र शे मरा ज्य करी ॥  
 १०२ ॥ लोपी ला आवधारी ॥ मारुने नाव दंत राना ॥ ८२ ॥  
 सौ मंदं ला मासे परी सवचन ॥ ये धुन पंध दु द्यु ॥ १०३ ॥  
 दृश्य योजन ॥ कर्मनी तेथे जाणे ॥ वी वर धार ले  
 ये उरसे ये कां ॥ ८३ ॥ लेथे उरसे पद्मीणा ॥  
 हीने के लो आसे पणा ॥ सांगं ला उरसे वह  
 करीणा ॥ को फु सके ॥ न वेथ ॥ ८४ ॥  
 वरी सीं के आसे को लो ॥ रवा ली ले ल कड्या  
 पुण भर लो ॥ नेहा परत आने गुरा लो ॥ बांबले  
 आग्नीचे नी ॥ ८५ ॥ पुरुषे शी कां वेसा ये कडये  
 मधेर नान करावे ॥ जरी वाच ला जीवे ॥ तरी धा  
 रती ल मा का ॥ ८६ ॥ ऐस मी चे का समा वेस लो ॥  
 उडी धाला वया सभ्या लो ॥ परतो नी मा धारा  
 आ लो ॥ तप करी लसे उर द्या पी ॥ ८७ ॥ कथे हे  
 वरु शे भरती बारा ॥ परी ले प्राप्त नके सुंदरा ॥ ज  
 से प्राण जा ला वरा ॥ तरी सं देह लु लता ॥ ८८ ॥

सोमदंत हृषिकेश शोभा ॥ यथाथमिानीभासीया  
 १० वचन ॥ पावरी लंची लली कामना ॥ यासीस  
 ११ यशयोनाही ॥ एसाही उंल होउतगेला ॥ ११ ॥  
 लवसेदुरगीरीसपावला ॥ मध्यानकाळुस्य  
 येजा ॥ नावेक कर्मला ॥ लयेस्थजी ॥ १० ॥ ऐसे  
 वी धारनमानसी ॥ मरुडनआलादेउकासीप  
 वीक्रमेदेखीलेत्यासी ॥ मागियेलावोळखीले ॥  
 ११ ॥ वृद्धालेकवयीआला ॥ रामरामसुणवो  
 नीवेसला ॥ लववृद्धावरानी रावोळोला ॥ ११ ॥

११ ॥ श्रीवाकमचराप्र ॥ १५ ॥  
 टाकुनाकोडुनयेणेताहाला ॥ १५ ॥ कएलाआस  
 ११ ॥ सीवहुलमागी ॥ सुणलागलेआसेस्ववणि  
 गी ॥ मनपडलेआसेदेगी ॥ कोणकायिरतवा ॥ १६ ॥  
 येरुक्षणोजीराधवोलना ॥ लेजदेखोनीनीवा ॥ १७ ॥  
 लाआला ॥ गुणभरीतामनचीश्रामा ॥ वास्तव्य  
 उजनीसी ॥ १४ ॥ सांगेआवध्यास्तमुळवृत्तित ॥  
 जरीभेटेलकी क्रमादीत्या ॥ लरीचपुरलजीवीचा  
 स्वार्थी ॥ नाहीतरीप्राणत्यागकरीना ॥ १५ ॥  
 रावाक्षणे सोमदंतारसी ॥ केसावोळखसीवी

क्रमात्सी ॥ देहनाही लयापासी ॥ कैसी रचुण  
जावे लम ॥ ९६ ॥ लया ये रुपे जापा ॥ परोपकारीन  
११ रा हे रथीर ॥ जे न कर राके र्दिं ॥ लयासी उांगी ॥  
१२ ॥ कारीवी क्रम ॥ ९७ ॥ गांज लीया चाकुडावा ॥ न्या  
यनी ली करी वरवा ॥ नकळली लयाची भाव ॥ १२  
वे लाळ प्रसन्न लयासी ॥ ९८ ॥ याने धरी ले जा  
से ३ जे खराप ॥ ले ले च रुप करी लक्षोप ॥ ध  
मिकायनि करी वी कलम ॥ अचुकी या देहाचा ॥  
९९ ॥ गारि वाम ॥ च्या काजा ॥ उवाळ से रहित  
राज ॥ जे कलम वेना कम को भव वही जा ॥ ले  
सहस्ररची क ॥ १०० ॥ आध जीत ले धडी ॥ आमे ३  
ले ले मोडी ॥ न खंड ले खंडी ॥ आपुलान पराक्रम ॥  
१०१ ॥ न खरे ले सारी ॥ न पुरे ले पुण करी ॥ न धर वे  
१११ ले धरी ॥ आपुले न प्रताप ॥ १०२ ॥ न भासे ले भा  
स्यवी ॥ को फान दे खे ले दे रववी ॥ न लक्ष वे ले ३  
क्षवी ॥ आपुलीया मंन संकलमे ॥ १०३ ॥ आ भेद ले  
भेदवी ॥ को फान सादे ले साधवी ॥ न के ले सीधवी  
ले करी सीधवी ॥ आपुलानी शुजा वळे ॥ १०४ ॥  
आठक ले ठकवी ॥ आथक ले खळवी ॥ आभो

गले भोग वी ॥ अणु पु ल्मा र। ती करानी या ॥ १०५ ॥

12

कैसा वो करवा क्षण ल स्वामी ॥ तलरी लो वो करवी

देई ल कपा करानी ॥ सक कर सं क ल्मा ल्मा ल्मा गुनी ॥

१३ ॥

शैल आ स ली ॥ १०६ ॥ पक्षी रा या ये क आ से न १३ ॥

वला वो ॥ मारया स्पुर ल आ से दक्षण बा हो ॥ आ

12

जी भेटे ल वी कमरा वो ॥ औ रे आ नं द्वा र ल सो ॥

१०७ ॥ आणी क ल व ल से डी वाने ॥ पी गं ला वो

ल ल आ से श्च ही ल ॥ जे लु ज ल व क आ से वी क

मा दी ल्य ॥ लरी श्चामी चै काय स्य स प सं गा वे ॥

१०८ ॥ परी मो नी या से मं हं ता जी था वे प्ता ॥ ॥

श्री वी क म य रा चं प्रा द्धा ॥

12 ॥

सारी ले स ध्यां र न न ॥ दे वी के ले १ जो ज न ॥ करी

ले जा ले प्र या ण ॥ रा वा र कं डी वा हो नी ॥ १०९ ॥ पथ क

मो नी व नो व न ॥ पा व ले द ल र न चै स्थाना य रा गु

ये नी यान म न ॥ करी सो मं हं ता री ॥ ११० ॥ ल्म णे ल व

करी ची फी र ले ली ग ॥ रा या ॥ काय सी धी लो ली का

या गि भेटे ला सी श्चामी या ॥ लो रा गं वां ह र रा ॥ १११ ॥

हो य ल्म णे गा जा ले द र रा ण ॥ परी का ही गो वी आ से

काय कार ण ॥ ले जा ली या स पु णी ॥ न ग रा प्रं ली जा

जु नी ॥ ११२ ॥ लु करी सी आ नु षं न ॥ ले करा वे सा ध

13

94

13

न॥ पु कृटी लमा स्मेन ॥ लपवो नीयेथे आ हो ॥ १२१ ॥  
 लरी चाल आला लेथे जा ॥ कैसा आहे तोय वैपा  
 हे। लयाचा भावो ॥ कार्य साधु तुमचे ॥ १२२ ॥ हो  
 घेनी घाले सत्वर ॥ पावले लेवीवर द्वार ॥ मग का  
 य करी लेजले वो चार ॥ लेपरी सावा श्रोतन हो ॥ १२३ ॥  
 वीक्रम ह्मणे सोम हलासी ॥ आला पुली करावी कै  
 स्त्री ॥ जालानयेस देह्यासी ॥ कार्य साधी लेपा  
 हीजे ॥ १२४ ॥ लगे लुज रक्षणेन परकाया प्रवेश ॥ सो  
 डी जे पुलीया देह्यासा ॥ लेथे नी करी न प्रवेश ॥ लु  
 वा रावा हो जो ॥ १२५ ॥ लगे लुजे सांग सी कारण ॥  
 लेनी करी न सह रत्र गुणे ॥ करी लरी लुसी च आण ॥  
 स्वामी राया ॥ १२६ ॥ ल्या सी वी द्या सांगी लकी ॥  
 ल्या ने आ पुली कुडी सांगी ली ॥ वीक्रम नीधे लेये  
 येकी ॥ सो जी देह रावीयाचा ॥ १२७ ॥ सोर्म दत जाळा  
 रावा ॥ हे कके के दंत शोनासी मावा ॥ लगे हा लुज  
 जवळ आसो द्याचा ॥ जो वरी लुसे कार्य सीधी  
 पावो ॥ १२८ ॥ रावा दे उनीया दंत शोना पासी ॥ आ  
 प्पारी येवीवर द्वार वेगैसी ॥ हे रचला जाळा गुलम  
 मं ही रासी ॥ आणी यत्र ले माठी ले आसो ॥ १२९ ॥  
 देखोनी सांगो जाली परी चपारी का ॥ आई जी

प्रलीदीनीचानवेहे नायक ॥ येरीहपे १२ ललायेयो  
 का ॥ मा. साप परस्य करावा ॥ १३० ॥ लयासी बोलवी  
 १५ लेख डकरी ॥ बैसो धाल ले च कुकी वरी ॥ आपण गुदानी  
 आदर करी ॥ हणे या जी बैसा को ॥ १३१ ॥ शण्ड्या कणगं  
 १६ ॥ धं आक्षरला ॥ लं बोल दिधला तरीला ॥ मगवो क १६  
 म लये सिपुसला ॥ कवण भावयं त्राचा ॥ १३३ ॥ लेथे  
 रन्ना नजा करील ॥ लयासी ज्ञापण धाली नभाळ ॥  
 हासल्यमासु बाल ॥ काया वाचामानसा ॥ १३३ ॥  
 रावक्षणे ऐक सुं हरी ॥ दापारी राय ॥ ६ पदाचे धरी ॥  
 रायेयं त्रधपदी सुवरी ॥ मा. जे लो हो लो ॥ १३४ ॥

१५०  
 काहडे केडरवाही इदी ॥ वाण से डबा वरले मुदी ॥ लक्ष  
 मीनाचे नेत्र वदी ॥ फार लप मदावी ॥ १३५ ॥ लेथे क हेवे ॥ १५१  
 रेकी हडे ॥ परी रन्ना न करणे कुं ही परी रची लो ॥ हे अं वध  
 उज्ज्वल रची लेक लं युग ॥ मा. सी ॥ १३६ ॥ मग हणे सत्य  
 परमेश्वरा ॥ काय करील लो शिवा ॥ लो का बैसे लो नृप  
 वरा ॥ ६ भूमि त्रुनी टाके क ह डये मधो ॥ १३७ ॥ श्री लरीक  
 रनी रन्ना न ॥ धा लुनी बैसे प झारना ॥ करी धे गुनी मा  
 क सुमन ॥ म जा धालु ॥ नारी पद्वी परी ॥ १३८ ॥  
 उम जल होले लेले ॥ ले जाले ॥ मुरी लळ ॥ ले थेर

य वे ल काल ॥ स्त्री का हुने डी टा की ली १३ था म  
१५) जे जी रो घा वे वा ही री ॥ प्र लो र्मा जाली पुरी ॥ मा ॥ १५  
साले लु म ची प ली थो री ॥ दार य त् पु ण् क र व य ॥ १४ ॥  
११) रा व ह्ने जे जाली स जाला आ ध्या ना ॥ ल री वु दे र ॥  
क द न ॥ जे मी स गे न कार ण ॥ ल ज आ गी कार वे तु ११)  
बा ॥ १४ ॥ ये री ल्म जे जी न्ना इ न्ना र न म थि ॥ जे स गे  
ले ले क् ल्या क र्मा ॥ ल री र्मा चाल त्प हे करी न भा  
क ना र्पी ॥ १४ ॥ म ग लो क्ष गे र्मे व च न ॥ द्वा द र  
व र षे ल प क री ल ॥ द त र्ने न ॥ क द्दु ला जाले ग ह्ना ॥  
मा क ल या नी धा ल यी ॥ १४ ॥ ल र्मा कार णे य क  
उा सा या स ॥ म ज जाले ब ह ल रा णी वा स ॥ ल्म जे द्वा  
वा सो र सा द ल गे न सी ॥ १४ ॥ ल र्मा र्मे को नी वे  
ली ॥ म ग ना र्मे क र ल व्ध जाला ॥ म नी चि म्मा र्मा ग  
ली ॥ ये जे ल री गो वी ले भा क् सी ॥ १४ ॥ लु म र्मे स ल्प  
१५) मानी ले व च न ॥ पुरी ये क र्मा ही ल प ण ॥ लो ज री जाल  
ला स पु णी ॥ ल री जे आ र्ना प्र मा ण रा या ॥ १४ ॥ ल र्मा  
ल जे जे आ से ल ले सां गा वे ॥ ये री ल्म जे व र वे ॥ स र्मा र्  
क म्की क र यो ॥ जे मी स गे न रा या ॥ १४ ॥ ल र्मा वी क र  
ये वा ही री जाला ॥ ल व जाली म ध्या न वे का ॥ दे व

हेवता जनि येथा वेका ॥ मंग ११ ॥ जने सारी ली ॥  
 १२८ ॥ पद्मीणी सारी आशोगणा ॥ लवदी नगे  
 १६ ॥ का आरत माना ॥ मंग १२ ॥ जनी येकां वरथाना ॥ १६  
 १८ ॥ चीत्रं सो वसेरी वसली ॥ १२ ॥ राजा सुणे मनी ॥ १६ ॥  
 काय जुदी त्या ॥ तेरांग व वरीत ॥ येरी सुणे प  
 री सुहे जनी ची ल ॥ येरागी मरासि ॥ १२ ॥  
 च्यारी दाहा संवावे को लवावे ॥ हे जरी सत्पक  
 रावे ॥ मंगजे लुडी उपकी लावे ॥ तेभी करी न  
 मंगत को फस्य जेसे ॥ १२ ॥

श्री कर्मचरी का प्राध ॥  
 जीकार ॥ जणा वाण जाले रेके उतर ॥ तेरा  
 नीचे लपडले ॥ १२८ ॥ जेसे केके नः दरा  
 १६ ॥ रथा के लो ॥ कायी थी नि के सी गोची ले ॥ से  
 वटी मागी तले राज्य भरथा ॥ रस्यारी वन वा  
 स ॥ १२९ ॥ येक सक्षी मागे मोहनी ॥ भांकेर  
 खुमंगदा गोवोनी ॥ से वटी करा सुणे भग  
 नी ॥ येका दरी वला ची ॥ १३० ॥ लेची परिजा  
 ली आसासी ॥ रात्री गोवो लें भा के सी ॥ धो  
 रवोठवली कर्मची वसी ॥ कासना हे मज



लागी ॥ १३१ ॥ ये सागज बज्जीला थोर ॥ मग  
आज वीला पक्षे खर ॥ दरावंल संगे रात्रीचा  
समचार ॥ लेने त्याचे प्रत्योत्तर काय दीधले ॥  
१६ ॥ १३२ ॥ म्हणे पुर्वजाची काक सत्य कीजे ॥ म १६ ॥  
जकासनेसी दीजे ॥ आंधी कवी चारान की  
जे ॥ सत्वरार वीर सव धाम १३३ ॥ पाहे पासी कित्री  
वचक्र वलीने काय केला ॥ हिं आनी कपोला  
जाले लेणे आपुले आधी रारी दीधले ॥ परी  
वारवी लेख सली १३४ ॥ पाहे पास मयोर ध्व  
जरा जाले ॥ जेणे वयजा श्रमे धकले वाजा ॥ दा  
हा वीया कावणे तां वी ध्वजा ॥ पृथ्वी वरी वारा  
धाडीला ॥ १३५ ॥ लवपा जवाचा वारा ॥ सोरी  
लाहो लाघु ध्वी पलाटण कर ॥ हो धा जालाये  
कांकार ॥ दोन्ही घोडे जाणिले लाघु ध्वजे ॥  
१३६ ॥ घोडा लाघु ध्वज धेउनी गेला ॥ लेथेस  
ग्राम थोर जाला ॥ येक येक मोडला ॥ घोडा जा  
जीलानगराल ॥ १३७ ॥ आजुनि सावध जाला ॥  
म्हणे युध्य कर चला ॥ कखा म्हणे वहे उगला ॥

(18)

११॥

युद्धी लेन आवरी तीज ॥ १३८ ॥ आ  
 लारै से कर ॥ ब्राह्मणाचा वेरा धर ॥ लो आहे  
 सखधीर ॥ चाल जातु लेथे पा ॥ १३९ ॥ दोघे व ॥ १७ ॥  
 लण ॥ चाचे राधरी ला ॥ कस्य गुरा आ जनिरी  
 रोजाला ॥ प्रवेरा ले व रूप साळा ॥ राया सी भे  
 टले ॥ १४० ॥ लवादे रये चीर व गयी ला ॥ अर्घ  
 वीडा दीधला ॥ काय रघो सांग वही ला ॥ पुर्णा  
 हली समयो आसे राव ॥ कस्य लो राया ऐक  
 वचन ॥ मागी ये लहो लो सी घे जण ॥ पीला पुत्र हा  
 रीरिय जण ॥ लव च्या द्रभेर ला ॥ १४२ ॥



## मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

---

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे  
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)  
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८  
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com